

>**Title:** Demand to give fourth class category status to the Railway Coolies.

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह :अध्यक्ष महोदय, देश भर में सात से आठ लाख रेलवे कुली हैं। वे सम्मान वाले लोगों के मान की रक्षा करते हैं। वे उनका सामान कंधे पर उठा कर ले जाते हैं। उनकी बहुत दिनों से यह मांग है कि उन्हें चतुर्थ वर्गीय श्रेणी का दर्जा दिया जाए और उनके लिए रैस्ट रूम का प्रबन्ध किया जाए जहां वे सो सकें और आराम कर सकें। डाउनट्रोडन और गरीब लोग कुली का काम कर रहे हैं। कभी स्टेशन पर ईश्वर चन्द विद्या सागर गए थे। वह कुली-कुली पुकारे। कोई बड़ा आदमी नहीं गया लेकिन वह चले गए। अमिताभ बच्चन की जब सब फिल्में फ्लॉप हो रही थी तो कुली पक्कर बनी और यह फिल्म अच्छी चली। जब मैं पटना गया तो सभी रेलवे के कुलियों ने मुझे घेर कर कहा कि हमारा सवाल कभी सर्वोच्च पंचायत में नहीं उठाया गया। रेलवे के सात-आठ लाख कुली जो डाउनट्रोडन हैं, शेडयूल्ड कास्ट्स हैं, (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: हम रेलवे की डिमांड्स पर चर्चा करने जा रहे हैं।

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह : उस समय भी इस पर बोलूंगा। आज इस तरफ ध्यान आकृष्ट करा रहा हूँ।

अध्यक्ष महोदय: उस समय भी बोलेंगे और अभी भी बोलेंगे।

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह : मेरा आग्रह है कि उनकी मांग मान ली जाए।